

सिगरेटों के निर्माताओं द्वारा की जाने वाली उत्पाद शुल्क की चोरी को रोकने के उपायों के बारे में श्री शिवप्रसाद गंग और अन्य व्यक्तियों द्वारा हस्ताक्षरित एक याचिका प्रस्तुत करता हूँ।

13.34 hrs.

The Lok Sabha adjourned for Lunch till thirty five minutes past Fourteen of the Clock.

The Lok Sabha re-assembled after Lunch at forty minutes past Fourteen of the Clock

[MR. DEPUTY-SPEAKER *in the Chair*]

MATTERS UNDER 377

MR. DEPUTY-SPEAKER : Shri Somnath Chatterjee.

(i) Need to nationalise the firm, Messrs, Brentford Electric (India) Ltd., Calcutta.

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : (Jadavpur) : Sir, it is a matter of grave concern that although the Government had decided to acquire the undertaking of M/s, Brentford Electric (India) Limited, Calcutta and undertook to introduce in Parliament the necessary Bill for nationalisation as stated by the Hon'ble Minister of Industry in May, 1983, no step has yet been taken to implement the decision and, on the other hand, a news item has appeared which indicates that the Government has decided not to nationalise the undertaking and that the Company would be put into liquidation by denotifying the same under the Industries (Development and Regulation) Act.

The undertaking, since the take-over of the management, has been functioning well under Andrew Yule Co., a Government Company and there has been a substantial increase in the production and it is understood that most of the liabilities have been paid off or

are in the process of being discharged. The workers have rendered total cooperation for proper running of the Undertaking and initially they voluntarily accepted 60% of their wages only with a view to make the undertaking viable. There has always been excellent industrial relation in the Undertaking.

I would most earnestly request the Government to implement its decision for the nationalisation of the undertaking which, if closed, will not only result in the liquidation of a viable unit with more than 300 workers of the undertaking would be rendered jobless for no fault of theirs.

(ii) Re : Naval Singh, Cooperative Sugar Mills, Ltd., Barhanpur not being timely supplied with Turbo-alternator and other machinery by BHEL, Hyderabad and Messrs Richardson and Cruddas of Bombay,

श्री शिवकुमार सिंह (खंडवा) : उपाध्यक्ष महोदय, भेल हैदराबाद एवं रिचर्डसन एवं क्रूडस (पब्लिक सेक्टर कम्पनी) बम्बई द्वारा बुरहानपुर मध्यप्रदेश के नवल सिंह सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित, जो किसानों की सहकारी संस्था है, को टर्बो आल्टरनेटर व अन्य मशीनों के समय पर सप्लाई न किए जाने के कारण इरेक्शन समय पर न किए जाने के कारण उत्पादन प्रारम्भ होने में देरी होने की संभावना बन गई है। इससे क्षेत्र के 8000 एकड़ के गन्ना उत्पादक किसानों में भय एवं चिन्ता व्याप्त हो गई है। उद्योग मंत्री जी से प्रार्थना है कि वे हस्तक्षेप कर भय का निवारण करें।

(iii) Need for Central Governments intervention to prevent destruction of crops by sheep and intimidation of people by the shepherds in certain parts of Rajasthan

प्रो० निर्मला कुमारी शक्तावत (चित्तौड़गढ़) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं नियम 377 के अधीन निम्नलिखित विषय की ओर मंत्री महोदय का ध्यान आकर्षित करना चाहती हूँ।

[प्रो० निर्मला कुमारी शक्तावत]

राजस्थान में कुछ वर्षों से पश्चिमी राजस्थान में अकाल है। इसके नाम पर भेड़ पालक सारे ही राजस्थान में बिगर रोक-टोक के विचरण करते हैं तथा भेड़ों द्वारा उस क्षेत्र के किसानों की खून-पसीने से उगाई अंकुरित तथा अविकसित फसलों को चौपट तो करते ही हैं तथा बन्दूकों की नोक पर उस क्षेत्र के किसानों को डराते-धमकाते हैं। उनके द्वारा अब तक कई हत्यायें प्रदेश में हुईं। भेड़ों की संख्या अत्यधिक होती है। अपने पड़ाव एक-एक गाँव में कई दिनों तक रखते हैं तथा उन्हीं स्थानों पर यह जाते हैं जहाँ अफीम पैदा होती है। जैसे चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, कोटा और भालवाड़। वहाँ एक निर्दोष ग्रामीणों की बहू-बेटियों के साथ अनैतिक आचरण भी बन्दूक की नोक पर करते हैं। इस का ताजा उदाहरण मेरे निर्वाचन क्षेत्र में कोटा जिले में लाडपुरा पंचायत के ग्राम जोधपुरिया में 8-9 वर्ष की अबोध बालिका के साथ बलात्कार किया गया जिस की रिपोर्ट थाने में लिखाई गई। इस तरह की आए-दिन की घटना से जनता अत्यधिक त्रस्त हैं। यह तस्कर जो भेड़ पालकों के रूप में आते हैं, भेड़ों द्वारा गरीब किसानों का खून-पसीने से कमाई गई फसलों को चराते हैं। इसमें केन्द्रीय सरकार हस्तक्षेप करके तुरंत रोके। भेड़ पालक अपना खुद चरागाह विकसित करें।

[iv] Need for putting up a high power Radio stations in the border areas of Jaisalmer of Rajasthan,

श्री वृद्धि चन्व जैन (बाड़मेर) : उपाध्यक्ष महोदय, केन्द्र सरकार ने रेडियो प्रसारण की दृष्टि से राजस्थान प्रान्त के सीमावर्ती एवं पिछड़े लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र बाड़मेर जिसका क्षेत्रफल 70 हजार वर्ग किलोमीटर है जोकि केरल प्रान्त से दुगुना और पंजाब

प्रान्त के बराबर है, की घोर उपेक्षा कर रखी है।

केन्द्र सरकार का सूचना एवं प्रसारण विभाग यह मानता है कि आल इण्डिया रेडियो स्टेशन दिल्ली, जयपुर, जोधपुर, कोटा सूरतगढ़ और बीकानेर की आवाज उक्त क्षेत्र के आधे हिस्से में मंद और आधे हिस्से में विलकुल नहीं पहुंचती है।

चौथी एवं पांचवीं पंचवर्षीय योजना में बाड़मेर एवं जैसलमेर रेडियो स्टेशन स्थापित करने का प्रस्ताव था परन्तु वित्तीय कठिनाई के कारण उक्त प्रस्ताव को कार्यान्वित नहीं किया गया। छठी पंचवर्षीय योजना में भी प्रस्ताव था परन्तु इसके बारे में कोई राशि का प्राबधान नहीं रखा।

उक्त क्षेत्र पाकिस्तान की सीमा पर आया हुआ है। पाकिस्तान रेडियो प्रसारण की दृष्टि से महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उसके रेडियो स्टेशन कराची, लाहौर, हैदराबाद, बड़ी शक्ति के स्टेशन हैं जिनकी बुलन्द आवाज मेरे निर्वाचन क्षेत्र बाड़मेर एवं जैसलमेर के हिस्से में ही नहीं, बल्कि भारत के अधिकांश हिस्सों में पहुंचती है।

रेडियो प्रसारण का शांति के दिनों सीमावर्ती क्षेत्रों की जनता को जागृत करना और उनके मनोबल को बढ़ाना है और युद्ध के समय में उन्हें सारी घटनाओं से वाकिफ कर के देश के प्रहरी की जिम्मेदारी निभाना है। अतः निवेदन है कि केन्द्रीय सरकार देश के सीमावर्ती बाड़मेर एवं जैसलमेर नगरों में प्राथमिकता के आधार पर क्रमशः छठी पंचवर्षीय योजना में बड़ी शक्ति के रेडियो स्टेशन स्थापित कर सीमावर्ती जनता की आवश्यक मांग की पूर्ति करें।